

प्रेस विज्ञप्ति

इरेडा के सीएमडी ने 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में प्रेरक पैनल चर्चा का संचालन किया



भुवनेश्वर, 9 जनवरी 2025

18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के भाग के रूप में, भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था (इरेडा) के सीएमडी, श्री प्रदीप कुमार दास ने "हरित संबंध: सतत विकास में भारतीय प्रवासियों का योगदान" शीर्षक से पैनल चर्चा के मॉडरेटर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्र में वैश्विक

स्थिरता पहलों को आगे बढ़ाने तथा हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रवासियों के महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डाला गया।

अपने उद्घाटन संदेश में, श्री वैष्णव ने तीन रणनीतिक प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में: वर्ष 2030 तक देश की कुल उत्पादन क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता की हिस्सेदारी को लगभग 50% तक बढ़ाना, हाइड्रोजन ट्रेनों जैसी अत्याधुनिक स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना, और हरित हाइड्रोजन उत्पादन, फोटोवोल्टिक सेल निर्माण और लिथियम आयन बैटरी विकास को शामिल करते हुए सतत ऊर्जा मूल्य श्रृंखला में व्यापक क्षमताओं की स्थापना करने के बारे में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति को रेखांकित किया।

इस पैनल चर्चा में मॉरीशस, नॉर्वे, मैक्सिको, वियतनाम, स्विटजरलैंड, नाइजीरिया, श्रीलंका और कनाडा से व्यापार और नीति निर्माण के क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित अतिथि शामिल थे, साथ ही ओडिशा के माननीय उपमुख्यमंत्री, श्री कनक वर्धन सिंह देव और माननीय सांसद, श्री सुजीत कुमार भी शामिल हुए। इन वैश्विक दूरदर्शी लोगों ने इस बारे में अपने विचार साझा किए कि प्रवासी समुदाय किस तरह से व्यापक और समग्र सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए नवीन तकनीकों, रणनीतिक निवेशों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का लाभ उठा सकते हैं।



इरेडा के सीएमडी ने हरित ऊर्जा परिवर्तन में भारत के नेतृत्व और इस परिवर्तन को आगे बढ़ाने में इरेडा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करके माहौल तैयार किया। नवंबर 2024 तक 206 गीगावाट की स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता और वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से 500 गीगावाट के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ, भारत वैश्विक हरित परिवर्तन में सबसे आगे है। इरेडा के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने भारत की सबसे बड़ी विशुद्ध हरित वित्तपोषण एनबीएफसी के रूप में, इसकी स्थिति पर जोर दिया, जोकि ₹69,000 करोड़ (\$8.3 बिलियन) की परिसंपत्ति आधार का प्रबंधन करती है, और वित्तीय वर्ष 25 की तीसरी तिमाही तक संचयी मंजूरी में ₹2.39 लाख करोड़ और संचयी संवितरण में ₹1.53 करोड़ प्राप्त की है। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास कॉर्पोरेट सुशासन पहलों के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया, जिससे इस क्षेत्र में इसके नेतृत्व को और अधिक मजबूती मिली।



इस चर्चा के दौरान, इरेडा के सीएमडी ने प्रमुख विषयों जैसे कि प्रवासी-संचालित विकास और सतत नवाचारों में निवेश की भूमिका, कृषि, रियल एस्टेट, बैटरी और हरित विनिर्माण, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, डिजिटल, एमएसएमई आदि क्षेत्रों में हरित प्रौद्योगिकियों का भविष्य और सहयोग के लिए वैश्विक अवसरों के माध्यम से बातचीत को सहजता से निर्देशित किया। सतत एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भारत स्थित स्टार्टअप के साथ प्रवासी समुदाय के सहयोग को बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में इस सत्र के दौरान उजागर किए गए प्रमुख बिंदुओं में से एक था।

अपने समापन संदेश में, श्री वैष्णव ने प्रौद्योगिकी, नवाचार और हरित कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के लिए प्रवासी समुदाय की विशेषज्ञता का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रवासी भारतीय दिवस 2025 ने एक सतत भविष्य के निर्माण में भारतीय प्रवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि की और एक हरित भविष्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता के बारे में प्रकाश डाला।